ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

24-10-2024

मन में जब कोई संकल्प उत्पन्न होता है तो उसमें सच्चाई और सफाई चाहिए। अन्दर में कोई भी भाव-स्वभाव, पुराने संस्कारों वा विकर्मों का किचरा नहीं हो। जो ऐसी सफाई वाला होगा वही सच्चा होगा और जो सच्चा होगा वह सबका प्रिय होगा। उसमें भी सबसे पहले वह प्रभुप्रिय होगा। फिर दैवी परिवार का प्रिय होगा। संस्कारों की टक्कर से बच जायेगा।

Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.

When any thought arises in your mind, then there has to be honesty and cleanliness in that. Let there not be any rubbish of your nature, old sanskars or past sins inside you. Those who have such cleanliness will be honest and those who are honest will be loved by everyone. In that too, they will first of all be loved by God, then they will be loved by the divine family. They will be saved from any conflict of sanskars.